sent, "Sole selling right" clause is included only in the agreement with M/'s. A. H. Wheeler & Company.

(b) The information is being collected and will be laid on the table of the Sabha.

दिल्ली —राजहरा —जगदामपुर के बीच बड़ी रेल लाइन

2878. **श्री राधाकिशन मालवीय :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार दिल्ली-राजहरा-जगदामपुर के बीच बड़ी रेल लाइन के निर्माण के किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया): (क) और (ख) दिल्ली-राजहरा और जगदामपुर के बीच एक नयी बड़ी रेल लाइन (234 कि० मी०) के सर्वेक्षण को अद्यतन करने तथा उसका वित्तीय पुनर्मूल्यांकन करने का कार्य चल रहा है। सर्वेक्षण के पूरा हो जाने के बाद आगे कार्रवाई की जायेगी जो इस परियोजना के वित्तीय निहितार्थों तथा संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।

Ssmposium on, American Understanding of India'

2879. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government are aware that at a symposium held in Washington by the Congressional Research Service on "American Understanding of India" to mark the formal end of Festival of India, the U. S. scholars expressed their discont* ent over the denial of visa facilities by Government and restricing their "research access" thereby curbing their enthusiasm in the research of Indian art, culture and religion;

(b) if so, what is the percentage of visas rejected in the case of American Scholars/researchers during the last two years till date stating the reasons for imposing the restrictions on the scholars/researchers wishing to study the Indian art, culture and religion- and

(c) whether Government propose to re-consider its. decision?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT AND MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI P. V. NARASLMHA RAO): (a) At a Symposium on American Understanding of India, organised by the US Library of Congress from October 23-25, 1986, as part of the Festival of India, some American scholars expresse'd dissatisfaction over alleged delays in the clearance of some research projects by Government of India.

(b) and (c) The percentage of research proposals of American Scholars rejected during 1985 and 1986 (todate) is about 13. 5 percent and 10 percent respectively. Decision in this regard is taken after consulting the concerned agencies, including tbnsidiration not security/ sensitivity aspects.

Delayed departure of a train at Bhopui Station

2880. SHRI RAJNI RANIAN SAHU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news item that appeared in the Times of India, dated the 4th October, 1986 under the caption 'Minister holds up train's departure if so, what are the details thereof; and

(b) whether any action has been taken in the matter and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Yes, Sir. It was reported that the G. T. Express was detained at bhopal by over an hour.

(b) The report was found to be wrong. Investigations have revealed that the train was detained for only 5 minutes due to alarm-chain pulling by a passenger whose luggage was left behind.

दिल्ली में राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित विदेशी कलाकार

2881. **श्री सुरेश पचौरी :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव में कितने विदेशी कलाकारों को आमंत्रित किया गया है तथा कौन-कौन से देश से;

(ख) क्या इनमें पाकिस्तानी कव्वाल भी हैं;

(ग) क्या यह सच है कि इन पाकिस्तानी कव्वालों की वीसा अवधि समाप्त हो जाने के बाद भी इन्हें यहां रोका गया; और

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) और (ख) राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव सोसायटी, दिल्ली के अनुसार आठ पाकिस्तानी कव्वालों को, जो पहले से ही भारत में थे, दिल्ली में आयोजित किये गए राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव में भाग लेने के लिये आमंत्रित किया गया था।

(ग) और (घ) गृह मंत्रालय द्वारा इन पाकिस्तानी कव्वालों की भारत में ठहरने की अवधि को 27 नवम्बर, 1986 तक बढ़ाया गया था, ताकि वे उत्सव में भाग ले सकें।

रेल सेवा आयोग, जम्मू द्वारा भर्ती में बरती गयी अनियमितताएं

2882. **श्री राम अवधेश सिंह :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिसम्बर, 1985 में रेल सेवा आयोग, जम्मू-श्रीनगर द्वारा रेलवे में भर्ती के लिये ली गयी परीक्षा में अनियमिततायें बरती गयीं ;

(ख) क्या सरकार को ऐसी कोई शिकायतें मिली हैं जिनमें रेल सेवा आयोग जम्मू-श्रीनगर द्वारा सहायक स्टेशन मास्टर के पदों के लिये दिसम्बर, 1985 में ली गयी लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण हुये अभ्यर्थियों में से कुछ को साक्षात्कार हेतु जम्मू में बुलाने के बाद आयोग ने साक्षात्कार के लिये अयोग्य घोषित कर दिया ;

(ग) सहायक स्टेशन मास्टर के पदों के लिये ऐसे कितने अभ्यर्थी थे, जिनका उक्त आयोग भर्ती बोर्ड ने साक्षात्कार लेने से इन्कार किया है और उसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार इस संबंध में जिम्मेदार व्यक्तियों/अधिकारियों के विरुद्ध क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) से (घ) रेल भर्ती बोर्ड, (जो पहले रेल सेवा आयोग के नाम से जाना जाता था) जम्मू और श्रीनगर ने रोजगार सूचना संख्या 1/85 (कोटि संख्या 9) के अंतर्गत सहायक स्टेशन मास्टरों की भर्ती की थी, जिसके लिए 8-12-85 को लिखित परीक्षा ली गयी थी। एक उम्मीदवार को, जो "स्नातक" होने की न्यूनतम अर्हता पूरी नहीं करता था, भूल से पहले लिखित परीक्षा के लिये और बाद में साक्षात्कार के लिये बुला लिया गया था। उसे साक्षात्कार के लिये अयोग्य घोषित कर दिया गया था क्योंकि वह स्नातक नहीं था। उससे प्राप्त अभ्यावेदनों को उत्तर दिया जा रहा है। उम्मीदवार को